9

मानव पर्यावरण अन्तःक्रिया थार प्रदेश में जन जीवन

घर में घुसते ही रवि दीवार पर टंगे कैलेन्डर को देखने लगा। यह नया कैलेन्डर आज ही उसके पिता ने टांगा था। उसने कैलेन्डर के पन्ने उलटने शुरू कर दिए। हरेक महीने के लिए अलग–अलग पन्ने और सब पर एक से एक सुन्दर चित्र थे। रवि की नजर जून महीने के पन्ने पर छपे चित्र पर ठहर गई। दूर–दूर तक फैले बालू में एक आदमी सिर पर पगड़ी बाँधे और पूरी आस्तीन का कुर्ता पहने ऊँट की नकेल पकड़े जा रहा था। वह तस्वीर उसे बहुत सुन्दर लगी। लेकिन एक बात समझ में नहीं आई। उसने अपनी माँ से सवाल किया– ''माँ! जून के महीने में तो गर्मी पड़ती है लेकिन इस तस्वीर में यह आदमी भरी दोपहरी में ऊँट लेकर बालू में चला जा रहा है उसने इतने अधिक कपड़े पहने हैं इसे तो और भी गर्मी लगती होगी? हम लोग तो गर्मी के मौसम में कम कपड़े पहनते हैं।''

यह सुनकर उसकी माँ मुस्कुराई और बोली–तुम्हारा अचरज करना ठीक है लेकिन पूरी बात समझोगे तब ही पता चलेगा कि ऊँट, बालू और सिर पर पगड़ी, पूरी आस्तीन की कमीज का मतलब क्या है?

''मुझे बताओ माँ,'' रवि मनुहार करते हुए बोला। माँ बोली ठीक है ठीक है, सुनो। यह चित्र रेगिस्तानी इलाके थार का है। अपने देश के पश्चिमी भाग में थार का रेगिस्तान है। थार राजस्थान और गुजरात में पड़ता है। यह पूरा क्षेत्र रेतीला है। बीच में अरावली की पहाड़ियाँ और जगह–जगह बालू के टीले मिलते हैं। पूरा क्षेत्र शुष्क और अत्यधिक गर्म होता है। दिन के समय आँधियाँ चलती रहती हैं और बालू के कण उड़ते रहते हैं लेकिन रात होते ही तापमान में कमी आ जाती है और पूरा इलाका ठंडा हो जाता है। इस इलाके में औसत वर्षा सालभर में मात्र 25 से॰मी॰ ही होती है।

WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

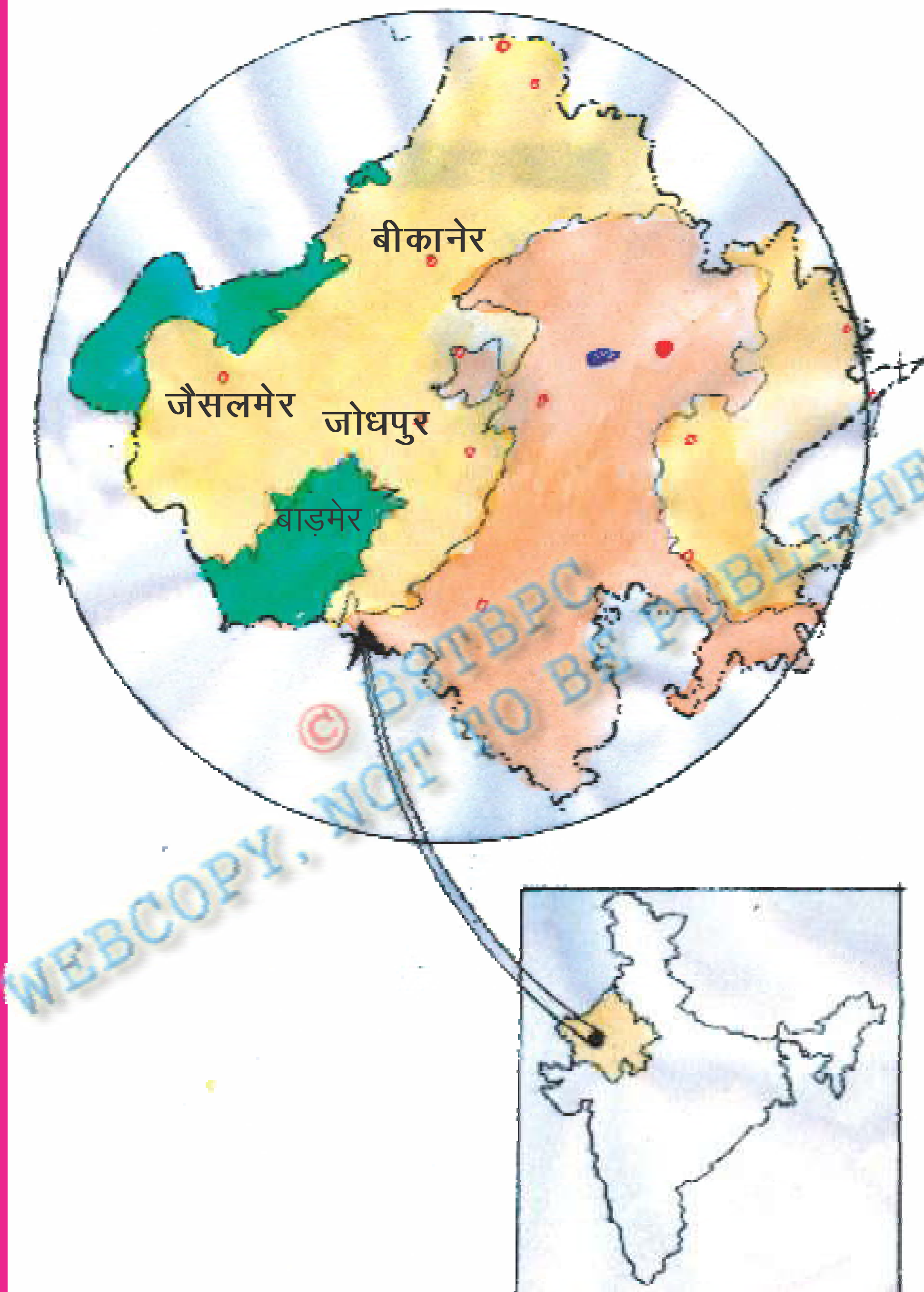

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

चित्र–9.1 थार मरुस्थल की स्थिति

''माँ, तब तो पेड़–पौधे भी नहीं होते होंगे'' ? रवि ने पूछा। होते हैं, लेकिन हमारे यहाँ जितने नहीं। कम वर्षा और बालू के कारण यहाँ कंटीली झाड़ियाँ, कीकर, बबूल, खजूर, खेजड़ी, ज्वार पाठा, नागफनी जैसी वनस्पतियाँ ही होती हैं क्योंकि ये कम जल में ही उग सकती हैं। इन वनस्पतियों की पत्तियाँ चिकनी छोटी और मोटी होती हैं और तने कांटेदार होते हैं, जड़ें भी गहरी होती हैं। ऐसा क्यों है माँ? रवि ने पूछा। क्योंकि जड़ें गहराई से नमीं लेती हैं और पत्तियों के मोटे होने के कारण उनमें नमी देर तक टिकी रहती है। पेड़–पौधों की ये सारी प्रक्रियाएँ वातावरण से अनुकूलन के उदाहरण हैं–माँ बोली।

शब्दाबली–
रेगिस्तान–यह एक शुष्क प्रदेश है जिसकी विशेषताएँ अत्यधिक उच्च या निम्न तापमान एवं विरल वनस्पति है।

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

चित्र–9.2 बालू के टीले

www.absol.in

माँ तब तो यहाँ हमारी तरह धान की फसलें भी नहीं होती होंगी—रवि ने पूछा।

हाँ। यहाँ धरती में बालू युक्त मिट्टी पाई जाती है जिसे स्थानीय भाषा में रेतीली मिट्टी कहा जाता है। बालू के टिब्बे यहाँ खूब मिलते हैं। यहाँ के लोग बाजरा, जौ, जई, जैसे मोटे अनाजों की खेती करते हैं। जहाँ सिंचाई की सुविधा है वहाँ गेहूँ, दलहन, मक्का एवं सब्जियों की खेती करते हैं। बाजरे की रोटी इनका मुख्य भोजन होता है और ऊँट इनके यातायात एवं परिवहन का मुख्य साधन है। यहाँ के लोग भेड़ पालते हैं। कंटीली झाड़ियों से ऊँटों, भेड़ों, बकरियों को भोजन मिल जाता है और बदले में ये दूध, माँस, चमड़ा देते हैं। यहाँ के लोग ऊँटनी के दूध का उपयोग करते हैं।

ऊँटनी का दूध? रवि ने आश्चर्य से पूछा। माँ बोली—आदमी का रहन—सहन, खान—पान, रोजगार सब कुछ वहाँ की भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करता है और लोग भी उसी हिसाब से रहते हैं। लोग बालू की आँधियों और तेज धूप की गर्मी से बचने के लिए सिर पर पगड़ी, (जिसे ये लोग 'साफा' कहते हैं), बाँधते हैं। पूरे बदन को कपड़े से ढकने से दिन के समय शरीर लू और उच्च तापमान से बचा रहता है। जबकि रात में अत्यधिक सर्दी से बचाता है।

क्या आप जानते हैं ?
थार में जल प्रबंधन
इन क्षेत्रों में पहाड़ों से वर्षा का जो जल नीचे आता है उन्हें कृत्रिम झील बनाकर जल भंडारण करते हैं।

क्या आप जानते हैं ?
थार में पर्यटन
राजस्थान पर्यटन विभाग जैसलमेर में रेगिस्तान सफारी का आयोजन करता है जिसमें थार के आंतरिक भाग में रात्रि विश्राम एवं राजस्थान की लोक संस्कृति एवं खाद्य पदार्थों से अवगत कराया जाता है।

माँ, क्या इन क्षेत्रों में भी पीने का पानी हमारे यहाँ जैसे ही कुओं या चापाकल से मिलता है?—रवि ने पूछा।

नहीं बेटे, इन इलाकों में पीने का पानी बहुत मुश्किल से मिलता है। रेतीले मैदानों में दूर—दूर पर कहीं—कहीं पानी के बाबड़ी या कुएँ मिलते हैं जो बहुत गहरे होते हैं यहाँ पर कुछ हरियाली भी मिलती है। ऐसी जगह को 'नखलिस्तान' या 'मरूद्यान' कहते हैं। वहीं से पीने का पानी कोसों चलकर मश्कों या घड़ों में पैदल या ऊँटों पर ढोकर लाते हैं।

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

मालूम है जैसलमेर जिले में तो पिछले कई सालों से वर्षा न के बराबर हुई है। इसलिए यहाँ के लोग पानी का उपयोग बहुत ही सावधानी से करते हैं। यहाँ रेल के टैंकर से पानी पहुँचाया जाता है।

इनके जानवर ऊँट को भी तो कम ही पानी की जरूरत होती है—रवि बोला

हाँ— माँ बोली।

''माँ, सिंचाई नहीं होने से यहाँ के लोग क्या काम करते होंगे'' ?—रवि की आँखों में आश्चर्य और बेबसी का भाव था।

यहाँ के लोग पशुपालन करते हैं जिनसे इन्हें दूध, माँस, चमड़ा मिलता है। ऊँट का रेगिस्तान में बहुत महत्व है। यातायात में ऊँट काम आते हैं। इसे रेगिस्तान का जहाज भी कहते हैं। इनके बालों से कम्बल, रजाई, कालीन भी बनते हैं। इनके कुटीर उद्योग हैं। जब बालू की आँधियाँ चलती हैं तो ऊँट की ओट में वे छिप जाते हैं। थार प्रदेश में जिप्सम, संगमरमर, छींटदार इमारती पत्थर, लिग्नाइट (कोयला), ताँबा, अभ्रक, नमक इत्यादि मिलता है। संगमरमर एवं लाख की मूर्तियाँ, चूड़ियाँ, हाथी दाँत की वस्तुओं की नक्काशी, कपड़ों की रंगाई और छपाई इनका मुख्य व्यवसाय है।

देखो रवि, यहाँ पानी की कमी रहती है इसलिए जनसंख्या भी काफी कम है। छोटे—छोटे गाँव—कुओं या बावड़ियों के इर्द—गिर्द ही बसते हैं। थार रेगिस्तान के क्षेत्र में बसे मुख्य नगर बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर हैं। पानी की कमी को दूर करने के लिए सतलज नदी पर बाँध बनाकर इन्दिरा गाँधी नहर जिसे 'राजस्थान नहर' भी कहा जाता है, बनाई गई है। इस नहर से बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर जैसे जिलों में सिंचाई की सुविधा बढ़ी है। सच पूछो तो इन्दिरा गाँधी नहर और भाखड़ा नंगल बाँध से निकाली गई नहरों से ही इन क्षेत्रों में थोड़ी हरियाली दिखने लगी है और अब लोग पहले की अपेक्षा गहन कृषि करने लगे हैं।

रवि माँ की बातों को सुनकर सोचने लगा सचमुच प्रकृति ने देश में कितनी विविधताएँ दी हैं तभी तो लोग भी उन्हीं विविधताओं के बीच अपना अनुकूलन कर लेते हैं।

WEBCOPY : NOT TO BE PUBLISHED

"माँ, क्या हमलोग कभी थार के रेगिस्तान घूमने चलेंगे" ?

क्यों नहीं इस बार दशहरे की छुट्टियों में हम वहीं घूमने का कार्यक्रम बना रहे हैं। माँ ने प्यार से कहा।

रवि मन ही मन थार के रेगिस्तान के लोगों के जीवन की कल्पना करने लगा।

अभ्यास

i. सही विकल्प को चुनें।

(1) थार का रेगिस्तान फैला है–

(क) गुजरात–महाराष्ट्र
(ख) गुजरात–राजस्थान
(ग) पंजाब–राजस्थान
(घ) राजस्थान – मध्यप्रदेश

(2) साफा कहते हैं–

(क) सफाई वाले कपड़े को
(ख) पूरी आस्तीन वाली कमीज़ को
(ग) सिर पर बाँधने वाली पगड़ी को
(घ) कमर में बांधने वाला कपड़ा

(3) थार प्रदेश में पाये जाने वाले खनिज हैं–

(क) संगमरमर–अभ्रक
(ख) बॉक्साइट–संगमरमर
(ग) संगमरमर–जिप्सम
(घ) संगमरमर–कोयला

(4) नखलिस्तान का अर्थ है–

(क) एक बहुत छोटा प्रदेश
(ख) ठंडी जलवायु का क्षेत्र
(ग) रेगिस्तान में हरियाली व जल वाला क्षेत्र।
(घ) राजस्थान–मध्यप्रदेश

ii. खाली जगहों को भरिए–

(1) भारत के पश्चिमी भाग में..का रेगिस्तान है।

(2) रेगिस्तान का जहाज...कहलाता है।

(3) राजस्थान नहर..नदी पर बनाया गया बांध है।

(4) थार रेगिस्तान का मुख्य शहर...है।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

iii. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(1) थार प्रदेश में जनसंख्या कम क्यों है?

(2) आपके प्रदेश के जनजीवन और थार प्रदेश के जनजीवन में अंतरों की सूची बनाइए।

(3) थार प्रदेश में जल की उपलब्धता कैसे बढ़ाई जा सकती है?

(4) ऊँट थार क्षेत्र की जीवन रेखा है। कैसे?

iv. क्रियाकलाप–

(1) नखलिस्तान का मॉडल बनाइए।

(2) रवि को रेगिस्तानी प्रदेश 'थार' में जाने के लिए किन–किन चीजों को ले जाना होगा? सूची बनाइए और कारण भी लिखिए।

♦ ♦ ♦

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED